**MPS**

# राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

सत्रीय कार्य

(एम.ए. प्रथम वर्ष)

जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्र के लिए

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

# एम.ए. (राजनीति विज्ञान)
# प्रथम वर्ष
# अनिवार्य पाठ्यक्रम

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है कि राजनीति विज्ञान के प्रत्येक अनिवार्य पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। इस पुस्तिका में राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं।

सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय के भीतर जमा कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें। सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

**यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।** आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

इसके साथ ही, सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ।** जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

**प्रस्तुतीकरण :** सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर जमा कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें। हल किए गए प्रश्नों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें।:

| सत्र | जमा करने की अंतिम तिथि | किसके पास जमा करें |
|---|---|---|
| **जुलाई 2017 सत्र के लिए** | 31 मार्च 2018 | अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें। |
| **जनवरी 2018 सत्र के लिए** | 30 सितम्बर 2018 | |

शुभकामनाओं के साथ,

राजनीति विज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

# एमपीएस–001 : राजनीतिक सिद्धान्त
## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-001
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2017-2018
पूर्णांकः 100

**किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।**

### भाग – I

1. राजनीतिक सिद्धांत की वृद्धि और विकास की जांच कीजिए।

2. प्रक्रियात्मक और मौलिक लोकतंत्र पर एक निबंध लिखिए।

3. अधिकारों से आप क्या समझतें हैं? विस्तारपूर्वक समझाईए।

4. स्वतंत्रता पर कुछ सामयिक बहसों की चर्चा कीजिए।

5. स्वतंत्रता और न्याय के साथ समानता के अर्न्तसंबंधों की जांच कीजिए।

### भाग – II

**निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :**

6. क) उदारवाद के लक्षण
   ख) कल्याणकारी राज्य का औचित्य

7. क) स्वत्रंतावाद (Libertarianism)
   ख) श्रृखंला की सबसे कमजोर कड़ी (वी. आई. लेनिन)

8. क) फ्रैंकफर्ट विद्यापीठ
   ख) मार्क्सवाद की समालोचना और लोकतांत्रिक समाजवाद

9. क) रूढ़िवाद (Conservatism)
   ख) कट्टरवाद (Fundamentalism)

10. क) राष्ट्रवाद
    ख) बहुसंस्कृतिवाद

# एमपीएस–002 : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंध : सिद्धांत एवं समस्याएँ
## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-002
सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/टीएमए/2017-2018
पूर्णांकः 100

**किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।**

### भाग – I

1. अन्तर्राष्ट्रीय संबंध सिद्धांत में यथार्थवादी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

2. अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में उत्तर–संरचनावादी उत्तर–आधुनिकतावादी दृष्टिकोण की जांच कीजिए।

3. शीत–युद्ध के पश्चात अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में परमाणु अप्रसार व्यवस्था (non–proliferation regime) के विकास की चर्चा कीजिए।

4. अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में विज्ञान और प्रौद्यौगिकी की भूमिका की जांच कीजिए।

5. अमरीकी शक्ति की प्रकृति तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध समूहों पर इसके प्रभावो की व्याख्या कीजिए।

### भाग – II

**निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :**

6. क) क्षेत्रीय आर्थिक समूहन
   ख) असमानता और विकास

7. क) वैश्विक निगम और राज्य की संप्रभुता
   ख) मानव अधिकार और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

8. क) अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में गैर–सरकारी संगठनों (NGO) की भूमिका
   ख) शक्ति संतुलन का सिद्धांत

9. क) अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रति मार्क्सवादी दृष्टिकोण
   ख) शीत–युद्धोत्तर वर्षों में नृ–जातीय संघर्ष

10. क) शीत–युद्ध के पश्चात अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सुरक्षा के बदलते आयाम
    ख) अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में न्याय की अवधारणा

# एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2017-2018
पूर्णांकः 100

**किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।**

### भाग – I

1. लोकतंत्र और विकास एक–दूसरे से किस प्रकार संबंधित है, चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रत्येक की लगभग 250 शब्दों में आलोचनात्मक समीक्षा कीजिएः
   क) राज्य के नीति –निर्देशक सिद्धान्त
   ख) गरीबी रेखा का अर्थ

3. भारत में ससंदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

4. भारत में राष्ट्र–राज्य के प्रति नृ–जातीयता की मुख्य चुनौतियों पर चर्चा कीजीए।

5. भारतीय लोकतंत्र की सफलता में राजनीतिक दलों के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

### भाग – II

**निम्नलिखित विषयों पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :**

6. क) लिंगभेद और न्याय
   ख) भारतीय राजनीति में क्षेत्रीयतावाद

7. क) अंतर्राज्यीय सहयोग
   ख) भारत में आंतरिक प्रवासन

8. भारतीय लोकतंत्र में गैर सरकारी संगठनों (NGOs) की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

9. क) भारत में भाषा और राजनीति
   ख) भारतीय लोकतंत्र में संचार माध्यम की भूमिका

10. भारतीय श्रमिक वर्ग पर नई आर्थिक नीति के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

# एमपीएस–004 : तुलनात्मक राजनीति : मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ
## (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-004
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2017-2018
पूर्णांकः 100

**किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।**

### भाग – I

1. जातीय–राष्ट्रवाद की चुनौतियों से निपटने के लिए राज्यों द्वारा अपनायी गयी विभिन्न रणनीतियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. राजनीतिक विचार का इतिहास वास्तव में राज्य–नागरिक समाज के संबंधों का इतिहास है। आधुनिक समय के संदर्भ में विचारों के विकास की चर्चा कीजिए।

3. राष्ट्रवाद के प्रति उदार मानवतावादी दृष्टिकोण का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

4. जैव–विविधता और जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में उत्तर और दक्षिण के देशों की स्थिति की जांच कीजिए।

5. वैश्वीकरण और निजीकरण की प्रक्रिया में गरीब का दोहन जारी है, टिप्पणी कीजिए।

### भाग – II

**निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :**

6. क) मार्क्सवादी विचारों में राज्य और वर्ग के बीच सम्बंध
   ख) डेविड एस्टन का सामान्य व्यवस्था सिद्धांत

7. क) संरचनात्मक कार्यात्मक दृष्टिकोण की सीमाएं
   ख) राज्य के प्राचीन–बहुलवादी और नव–बहुलवादी दृष्टिकोण

8. क) विकासशील समाज में नौकरशाही की विशेषताएँ
   ख) सत्तावादी शासन से अधिनायकवादी शासन का अंतर

9. क) राज्य की संप्रभुता पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों का प्रभाव
   ख) संविधानवाद

10. क) राज्य निर्माण और राष्ट्र निर्माण
    ख) मानवाधिकारों पर समाजवादी दृष्टिकोण